

 केन्द्रीय कर आयुक्त (अपील) O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL TAX, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भवन सातवीं मंजिल, पॉलिटेक्निक के पास, आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015 079-26305065	 7th Floor, Central Excise Building, Near Polytechnic, Ambavadi, Ahmedabad-380015 टेलिफोन : 079 - 26305136
---	--

रजिस्टर डाक ए.डी.द्वारा

क फाइल संख्या (File No.): V2(29)37 /North/Appeals/ 2017-18

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.): **AHM-EXCUS-002-APP- 331-17-18**

दिनांक (Date): **23-Feb-2018** जारी करने की तारीख (Date of issue): 17/2/2018

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील-II) द्वारा पारित

Passed by **Shri Uma Shanker**, Commissioner (Appeals)

ग _____ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, (मंडल-V), अहमदाबाद उत्तर, आयुक्तालय द्वारा जारी

मूल आदेश सं _____ दिनांक _____ से सृजित

Arising out of Order-In-Original No **02/Ref/II/17-18** Dated: **14/08/2017**

issued by: Assistant Commissioner Central Excise (Div-V), Ahmedabad North

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवम पता (Name & Address of the Appellant/Respondent)

M/s Concord biotech Ltd

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person an aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way:

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India:

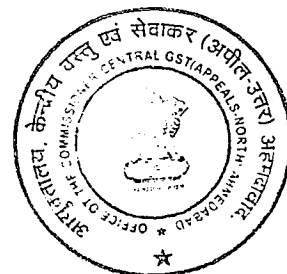
(1) (क) (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1994 की धरा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परंतुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को की जानी चाहिए।

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब हानि कारखाने से किसी भंडारगार या अन्य कारखाने में या किसी भंडारगार से दूसरे भंडारगार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भंडारगार या भंडार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भंडारगार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामले में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।



- (c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हों।

- (d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

- (2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

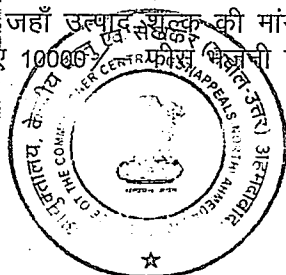
- (क) वर्गीकरण मूल्यांकन से संबंधित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठिका वेस्ट ब्लॉक नं. 3. आर. के. पुरम, नई दिल्ली को एवं

- (a) the special bench of Custom, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No.2, R.K. Puram, New Delhi-1 in all matters relating to classification valuation and.

- (ख) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैटल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

- (b) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

- (2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम से



रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो जहाँ उक्त न्यायाधिकरण की पीठ स्थित है।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग" (Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि।

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

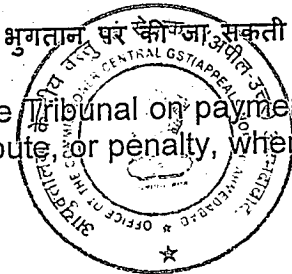
For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस सन्दर्भ में इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

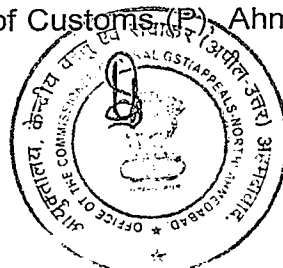


ORDER-IN-APPEAL

M/s Concord Biotech Ltd., Survey Plot No. 1482-1486, Transod Road, Dholka, District: Ahmedabad – 382225 (hereinafter referred to as 'the appellant') is engaged in the manufacture of medicine under Chapter 30 of the first schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (CETA, 1985). The appellant had filed a refund claim of Rs.19,24,171/- on the ground that it had wrongly paid Central Excise duty on Mycophenolate Mofetil (CETH 294200900) mentioned at Entry No. 72 of the List 4 of Sl. No. 148 of table of custom Notification No. 12/2012 dated 17/03/2012 and Mycophenolate Sodium (CETH 29420090) mentioned at Entry No. 100 of the list 3 of Sl. No. 147 of table of custom Notification No. 12/2012 dated 17/03/2012, which were used in the manufacture of medicines under CETH 30049099 attracted NIL rate of duty under Notification No. 12/2012-CE Entry Sl. No. 108. The Assistant Commissioner, GST, Division V, Ahmedabad (North) (hereinafter referred to as 'the adjudicating authority') issued O.I.O. No.02/Ref/II/17-18 dated 14/08/2017 (hereinafter referred to as 'the impugned order') on the ground that Condition No. 2 for Sl.No. 108 of Notification No.02/Ref/II/17-18 dated 14/08/2017 stipulates that where the use of the drugs is elsewhere than in the factory of production, the exemption shall be allowed if the procedure laid down in the Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 2016 is followed and the same has not been followed by the appellant.

2. Being aggrieved by the impugned order, the appellant has preferred the instant appeal mainly on the following grounds:

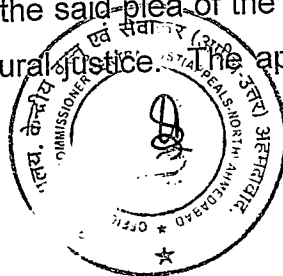
- i. The appellant submits that the adjudicating authority had decided the matter without following the principles of natural justice, inasmuch as the order has been passed without hearing the appellant. The adjudicating authority had decided the matter in hurriedly manner by fixing the personal hearing on three consecutive dates in very short duration. The personal hearing was fixed along with issuance of the SCN and on three consecutive dates viz. 01/08/2017; 04/08/2017 and 08/08/2017, i.e. within short period of 20 days the SCN was adjudicated against the principle of natural justice. It is one of the essential postulates of the concept of natural justice that justice must not only be done but manifestly seem to be done. The appellant relies on Mohan Electro Castings Ltd. – 2008 (222) ELT 587 (Commr. Appl.), where Hon'ble Appellate Authority has rightly quoted Sir Walter Scott 'Oh! What a tangled web we weave, when first we practice to deceive'. Similarly Hon'ble Tribunal in the case of Govan Soma Tandel vs Commissioner of Customs, (P) Ahmedabad – 2000



(115) ELT 772 (T) have held that the system of departmental adjudication is governed by the principles of natural justice which require that the material against the offenders is disclosed to them in the form of show cause notice and adequate opportunity be given to the respondents to state its case orally and in writing. As regards the ground for rejection that procedures under Central Excise (Removal of Goods at Concessional Rate of Duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 2016 were not followed, the order in identical issue in the case of Dr. Reddy's Laboratories Ltd. vs CCE, Hyderabad – 2010 (251) ELT-447 (Tri.Bang.), Hon'ble refers. The learned adjudicating authority had grossly failed to comprehend the settled law that drug includes 'bulk drugs' and therefore, clearance of bulk drugs or drugs are covered under Sr. No. 108 (A) of Notification No. 12/2012-CE and hence the question of following condition no.2 against clause (B) of Sr. No. 108 of Notification No. 12/2012-CE does not arise. Further to Dr. Reddy's Laboratories Ltd. vs CCE, Hyderabad – 2010 (251) ELT-447 (Tri.Bang.), the appellant also relies on Aurodindo Pharma Ltd. vs CCE, Hyderabad – I – 2009 (247) ELT 206 (Tri.Bang.); Astrix Laboratories Ltd. v/s CCE & C, Hyderabad-I – 2009 (233) ELT – 372 (Tri.-Bang.) and CCE, Hyderabad vs Hetero Drugs Ltd. – 2010 (262) ELT 490 (Tri.-Bang.)

3. Personal hearing was held on 08/02/2018 attended by Shri P.G. Mehta, Advocate, The learned Advocate reiterated the grounds of appeal and submitted that drugs include bulk drugs.

4. I have carefully gone through the facts of the case on records and submissions made by the appellant in the grounds of appeals. As per the observation of the adjudicating authority in paragraph 11 of the impugned order that the appellant had not filed any defence reply to the SCN and not availed of the opportunities for personal hearing fixed on 01/08/2017, 04/08/2017 and 08/08/2017. From this observation it is clear that the plea of the appellant with regards to Drugs also including 'Bulk Drugs' covered under Sr. No. 108 (A) of Notification No. 12/2012-CE and hence following the condition under condition no.2 against clause (B) of Sr. No. 108 of Notification No. 12/2012-CE does not arise, has not been considered by the adjudicating authority because the same was never pleaded before the adjudicating authority but has been raised for the first time in the grounds of appeal. The plea of the appellant cannot be accepted or rejected without a factual verification at the field level. Therefore, the case is remanded to the original authority to consider the said plea of the appellant and pass a reasoned order following the principles of natural justice. The appellant is directed to



submit a written reply to the SCN and also submit all the evidences that it wishes to rely upon before the adjudicating authority when the case is posted for personal hearing

- 6 दोनों अपीलोंका निपटारा उपरोक्त तरीकेसे किया जाता हैं।
Both the appeals stand disposed of in above terms.

उमा शंकर

(उमा शंकर)

आयुक्त (अपील्स-१)

Date: 23 / 02 / 2018

Attested

K. P. Jacob

(K. P. Jacob)
Superintendent (Appeals-I)
Central Excise, Ahmedabad.

By R.P.A.D.

To

- 1) M/s Concord Biotech Limited,
Survey Plot No. 1482-1486,
Transad Road, Dholka,
District: Ahmedabad – 382 225.

Copy to:

1. The Chief Commissioner of C.G.S.T., Ahmedabad.
2. The Commissioner of C.G.S.T., Ahmedabad North.
3. The Additional Commissioner, C.G.S.T.(System), Ahmedabad North.
4. The Deputy Commissioner, C.G.S.T. Division: V, Ahmedabad North.
5. Guard File.
6. P.A.

